

84/105

9604/06



0368 849256



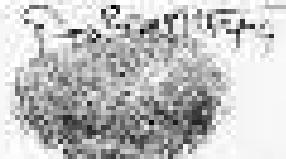
विक्रय विनोद

प्रतिफल की मात्रा - ₹ 3,09,064/-
 चालक मूल्य - ₹ 1,53,230/-
 अतः निम्न मध्ये चालक मूल्य - ₹ 31,000/-

- | | | |
|----------------------|---|---------------------------|
| 1. भूमि का प्रकार | - | कृषि |
| 2. परगना | - | जिला |
| 3. तालुका | - | बुधनगर जिला प्रशासन |
| 4. ग्रामिका का विवरण | - | ग्राम जिला जिला 178 नम्बर |

प्रमाणित किया गया

प्रमाणित किया गया





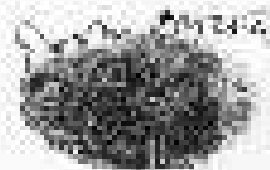
0393 848457

0.418 सेन्टीमीटर का 1/3 भाग
अर्थात् 0.1393 सेन्टीमीटर लिये गये
गुलामपुर जहाँ बसियामऊ परगना
विजयी, सहायिता व विला सञ्चालन

5. मापन की ईकाई - सेन्टीमीटर
6. सम्पत्ति का ईलाफल - 0.1393 सेन्टीमीटर
7. सहायता की स्थिति - गुलामपुर जहाँ व सञ्चालन भाग में
रुक्मणी 200 मीटर की लम्बाई
8. सम्पत्ति का प्रकार - दृष्टि

श्रीमान श्रीमान

श्रीमान श्रीमान



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

रु.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

8-263609

- 1 -

9. पेड़ों की लकड़ी - कोई भी नहीं है।

10. खेतों/कुआँ/अन्य - कुछ भी नहीं है।

चौधरी खसरा नं० 378

जलार : खसरा नं०-378 नन्दरोड

दक्षिण : खसरा नं० 380

पूरुब : खसरा नं० 379

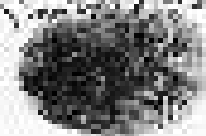
पश्चिम : खसरा नं०-374,377

प्रत्येक पक्ष की संख्या- 2 : द्वितीय पक्ष की संख्या- 1

राजेश कुमार

अमरेंद्र कुमार

समस्त



विश्लेषण का विवरण	स्रोत का विवरण
1. एम सुमिरन 2. प्रमोद पुजपण भगवानदीन निवासी ग्राम बुसुफनगर उर्फ बगियामऊ परगना विजनीर, तहसील व जिला लखनऊ।	जयचन्द पुत्र भोजाकोरी निवासी ग्राम मिर्जापुर मिटारी पोः नौगाँव, तहसील व जिला फतेहपुर।
जयसाध- कृषि	जयसाध- नौकरी

यह विवरण निम्न 1. एम सुमिरन 2. प्रमोद पुजपण भगवानदीन निवासी ग्राम बुसुफनगर उर्फ बगियामऊ परगना विजनीर, तहसील व जिला लखनऊ विन्दे आगे विश्लेषण करा गया है एवं जयचन्द पुत्र भोजाकोरी निवासी ग्राम मिर्जापुर मिटारी पोः नौगाँव, तहसील व जिला फतेहपुर विन्दे आगे देखा गया है वे मध्य निम्नलिखित किया गया।

यह कि विश्लेषण भूमि खसरा संख्या 378 एकड़ 0.418 हेक्टेयर का 1/3 भाग अर्थात् 0.1393 हेक्टेयर स्थित ग्राम बुसुफनगर उर्फ बगियामऊ परगना विजनीर, तहसील व जिला लखनऊ का मलिक, शामिल व भविष्य है तथा उपरोक्त सत्यापित पट्टाविक्रय खाता खाती नम संख्या 00029 के अनुसार भूमि विश्लेषण के नाम सऊमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज है और विश्लेषण के नाम का अमल वधमद राज्यस्य अभिलेखों में हो गया है। विश्लेषण अपना सम्पूर्ण हिस्सा केवल को इस विवरण निम्नलिखित द्वारा विवरण कर रहा है विश्लेषण उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के मलिक, शामिल व

एम सुमिरन

जयचन्द पुत्र भोजाकोरी

संविन है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि कृषि भूमि है और उक्त भूमि सरकारी भूमि का हिस्सा नहीं है। यह कि विक्रेतागण यह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्गीकृत भूमि सभी प्रकार के चारों ओर मुक्त एवं पक्का व सार्वजनिक है तथा विक्रेतागण ने उसे इस विक्रय के पूर्व पूर्ण रूप से देखा, निरीक्षण या अनुसंधान इत्यादि नहीं किया है। विक्रेतागण ने उक्त भूमि पर कृषि करना या अन्य प्रकार का कोई काम नहीं किया है। यदि कोई ऐसा काम संविन ने निष्पत्ति है तो उसके निर्माण विक्रेतागण ने उसके बर्तमान व विविध उत्तराधिकारी होने। उपरोक्त भूमि या उपर्युक्त कोई भी किसी व्यापार या सरकारी कार्यवाही के अन्तर्गत विवाद का अनु विषय नहीं है, न ही कृषि इत्यादि है। विक्रेतागण के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वतन्त्र, एक या दोहरे इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेतागण को उक्त विक्रय अन्तर्गत करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त घोषणा के पक्षस्थल कुल विक्रय मूल्य एवं 3,00,000/- के प्रतिफल में निम्नलिखित उपरोक्त होता हुए विक्रेतागण की इस विवेक के अन्त में ही यदि अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार सुज्ञान कर दिया गया है एवं निम्नलिखित प्राप्ति को विक्रेतागण नहीं स्वीकार करते हैं, तबनुसार उक्त विक्रेतागण उक्त होता के साथ उपरोक्त वर्गीकृत भूमि, निम्नलिखित विवाद एवं विवाद विवेक के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, जो कोई भी दिया है, एवं विक्रेतागण ने विक्रयभूत भूमि का मूल्य पर कच्चा होता को प्रस्तुत करा दिया गया है। अब उक्त आगामी पर विक्रेतागण तथा उसके बर्तमान का कोई अधिकार नहीं है। विक्रेतागण ने निम्नलिखित संपत्ति को अपने

21/11/2019

21/11/2019

स्वार्थ के समस्त अधिकारों को साथ पूर्णता व हमेशा के लिए देता भी इस्तान्तरित कर दिया है। अब केरा विद्यवशुदा सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने एकाग्र स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के रूप में खरफ एवं उपयोग व उपभोग करेंगे। विस्तेलाग व उसके वारिसान उसमें किसी प्रकार की अड़चन बाधा नहीं डाल सकेंगे एवं न ही कोई बाध कर सकेंगे और यदि विद्यवशुदा सम्पत्ति उसका कोई भाग विस्तेलाग से स्वामित्व में चुटि के कारण या कानूनी अड़चन या कानूनी चुटि के कारण केरा या उसके वारिसान निष्पादकगण इत्यादि के कब्जे या अधिकार या स्वत्व से निकल जायें तो केरा उसके वारिसान, निष्पादकगण इत्यादि को यह हुक्म देगा कि वह अपना समस्त मुहसल मय इर्ज व सर्ज, विस्तेलाग की बल, अवल सम्पत्ति से वीरिय अवलतन कालू कर लें। उस स्थिति में विस्तेला एवं उसके वारिसान इर्ज व सर्ज देने हेतु बाध्य होंग।

५४ कि विस्तेलाग यह भी घोषित करता है कि उक्त भूमि लक्षणक विभक्त प्राधिकरण, इस्तानक तथा वाछा आवास एवं विभक्त पौखण, लक्षणक तथा अन्य किसी भी सरकारी अथवा गैर सरकारी सत्वा द्वारा अधिकारी नहीं की गयी है और न ही गलतफि है।

५५ कि केरा विद्यवशुदा सम्पत्ति की दस्तिल खातिर समस्त अभिलेखी में अपने नाम दर्ज करा ले तो विस्तेला भी कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विद्यव विलेख के पूर्व या अगर कोई कसबा किसी तरह

21/12/29

अर्जुन ठाकुर

9/12/29

दिनांक 17.11.2006 पंचायत नैशनल बैंक, इमराल्ड लखनऊ
केत से प्राप्त हुए।

2. विज्ञापन की रक 1,54,832/- द्वारा चेक संख्या 619472
दिनांक 17.11.2006 पंचायत नैशनल बैंक, इमराल्ड लखनऊ
केत से प्राप्त हुए।

इस प्रकार विज्ञापन की कुल निम्न मूल्य 3,09,664/- (रुपया
तीन लाख नौ हजार छः सौ बीस चार मात्र) केत से प्राप्त हुए जिसकी प्रति
विज्ञापन स्वीकार करते हैं।

रजिस्ट्रार जिला
उन्नाव

लखनऊ

दिनांक : 17.11.2006

गवाह :

1. *Gurpreet Singh*
Sh. G. C. Singh
280 Anand Nagar
Meerut

विज्ञापन

रजिस्ट्रार जिला
उन्नाव
केत

2. *रजिस्ट्रार जिला*
उन्नाव

3. *उन्नाव जिला*
उन्नाव

दस्तावेज
रजिस्ट्रार जिला

(गौर कुमार)
सिविल कोर्ट, उन्नाव

महविधायक

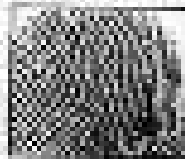
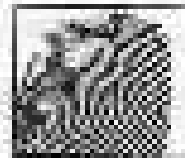
(बैकट गान सिंह)
उन्नाव

प्रमाणित किया जाता है कि ऊपर उल्लिखित व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम
संविधान के अंतर्गत

संविधान के अंतर्गत उल्लिखित है। यह प्रमाणित किया जाता है कि
उपरोक्त व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम संविधान के अंतर्गत उल्लिखित है।

प्रमाणित किया जाता है कि
ऊपर उल्लिखित व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम
संविधान के अंतर्गत
उल्लिखित है। यह प्रमाणित किया जाता है कि
उपरोक्त व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम संविधान के अंतर्गत
उल्लिखित है।





प्रमाणित किया जाता है कि

उपरोक्त व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम संविधान के अंतर्गत उल्लिखित है।

के.के. गुप्ता
एम. निदेशक (प्रशासन)
लखनऊ
17/11/2008



का भार इस क्षमता पर होगा जो उत्तरे विस्फोटन प्रभाव न जन करे, विस्फोट को कोई अप्रति न होगी ।

कि कि उपोक्त सारा नमर ग्राम कुमुफलनर विपन्न अर्धनगरीय क्षेत्र के सामान्य प्राग के अनन्त अन्त है इसलिए निर्धारित सम्पत्ति रेट रु 11,00,000/- प्रति हेक्टेयर के विस्तार से निर्धारित भूमि 0.1393 हेक्टेयर की सम्पत्ति रु 1,53,230/- होती है तथा विषय मूल्य, भूमि की वास्तव मूल्य से अधिक है इसलिए नियमानुसार विस्तार मूल्य पर ही रु 31,000/- जनमत (व्याप्त अथ किया जा रहा है। यह कि उपोक्त निर्धारित भूमि कृषि के उपयोग के लिए रूप की जा रही है। भूमि में कोई पेड़ झरना और नदी है तथा किसी प्रकार की आवासीय गतिविधियां नहीं चल रही है न कोई वास्तव्य, भूमि भी नहीं है, तथा 200 मी के अर्धनगरीय में कोई निर्माण नहीं है निर्धारित भूमि किसी रिक मार्ग, राजमार्ग न जनस्वीय मार्ग पर स्थित नहीं है। निर्धारित भूमि मुलात्तपुर रोड से न अन्तर शहीद पथ से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विस्फोटन एक बड़ा क्षेत्र अनुसूचित जाति से सम्बन्धित है। इस विस्तार विस्तार के विस्तार का समस्त नमर क्षेत्र द्वारा बहन दिया गया है ।

विज्ञान का विस्तार पर विस्फोटन ने क्षेत्र के पक्ष में विस्तार दिया ताकि सन्त री और आवासीयता पड़ने पर काम नसे ।

परिशिष्ट-कृतक विवरण

1. विस्फोटन की रु 1,54,832/- द्वारा क्षेत्र रु 1,94,32,214/-

राम प्रसाद

अ. लो. प्र. प्र.



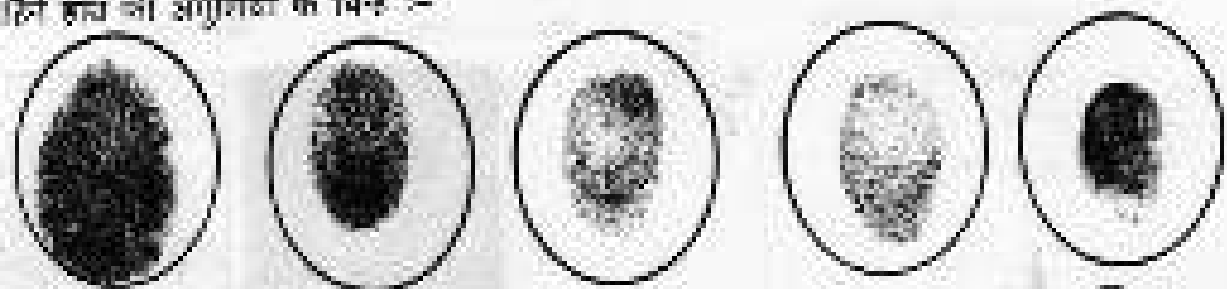
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा - 32 (3) के अनुपालन हेतु फिंगर प्रिन्टर्स

प्रत्यक्षता/विज्ञता नाम व पता :- 21 जून 2013
..... 21 जून 2013
..... 21 जून 2013

बायाँ हाथ की अंगुलिओं के चिह्न :-



दाहिने हाथ की अंगुलिओं के चिह्न :-

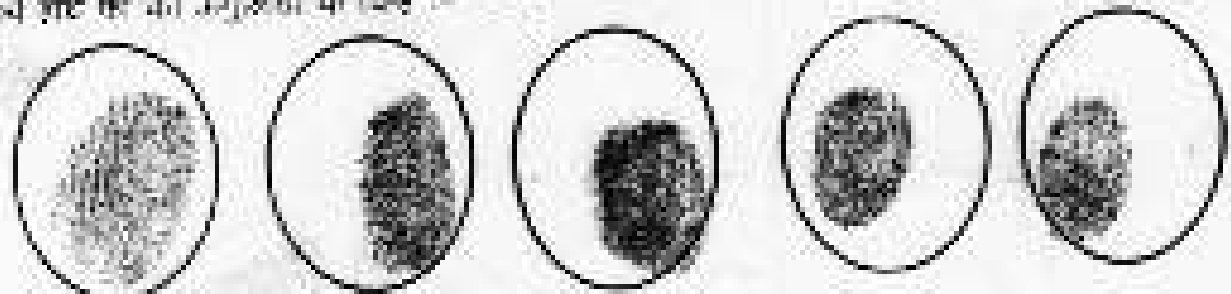


21 जून 2013

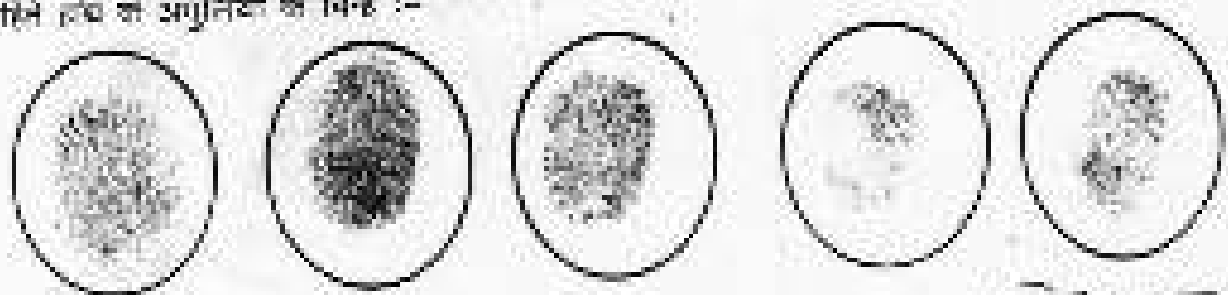
प्रत्यक्षता/विज्ञता/अज्ञता के हस्ताक्षर

विज्ञता/अज्ञता नाम व पता :- 21 जून 2013
..... 21 जून 2013
..... 21 जून 2013

बायाँ हाथ की अंगुलिओं के चिह्न :-



दाहिने हाथ की अंगुलिओं के चिह्न :-



21 जून 2013

विज्ञता/अज्ञता के हस्ताक्षर

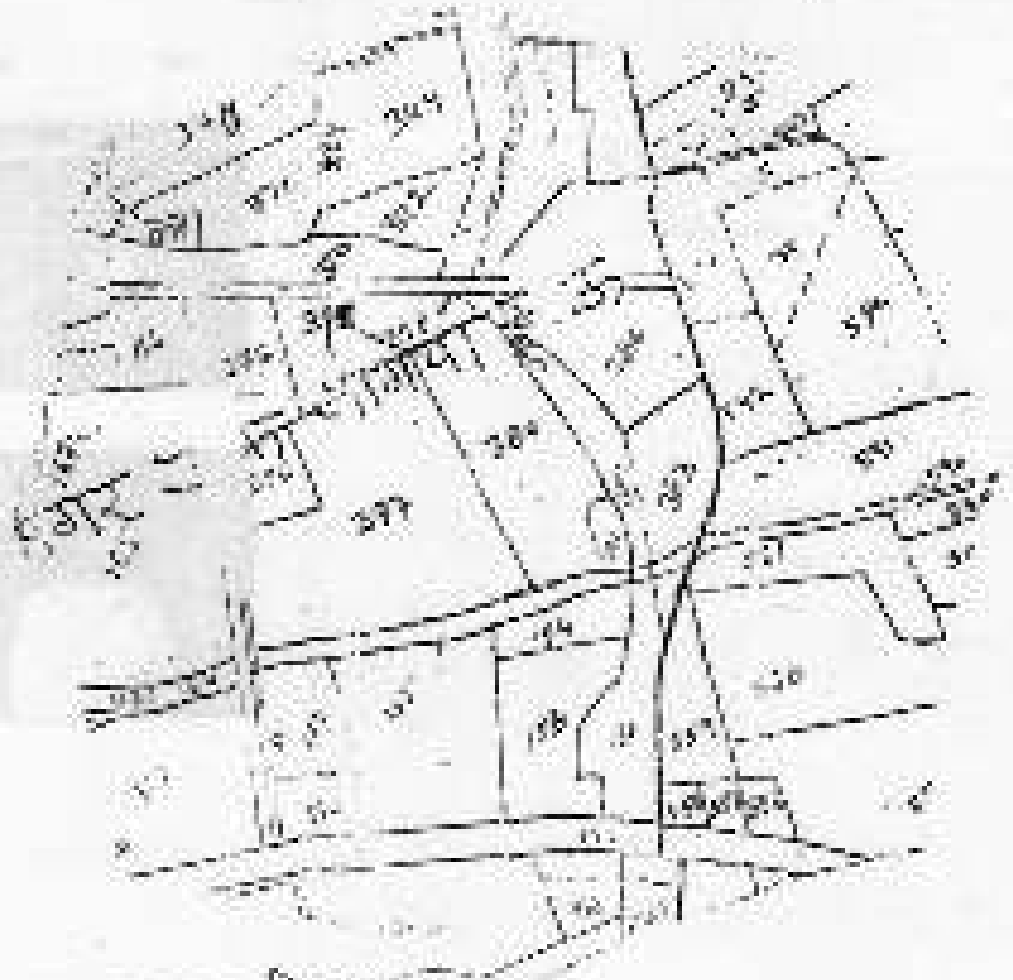
ग्राम लुसुफनामद अवे विभागक विन न हसीर-

ससरा मंडल

उ० न०

सीमा नमूना

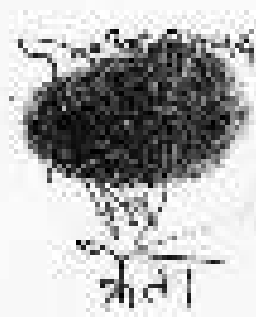
रकबा



श.म.स.स.स.स.

प्रमाण कुंवर

पत्र



पिछत

Registration No

5506

Year

2006

Book No

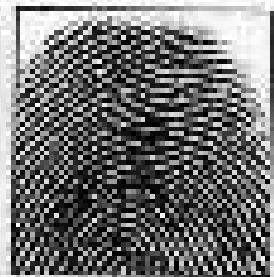
1

नाम पुर्णिक

वर्ग-कक्षा

संस्कृत-अवकाश

कक्षा

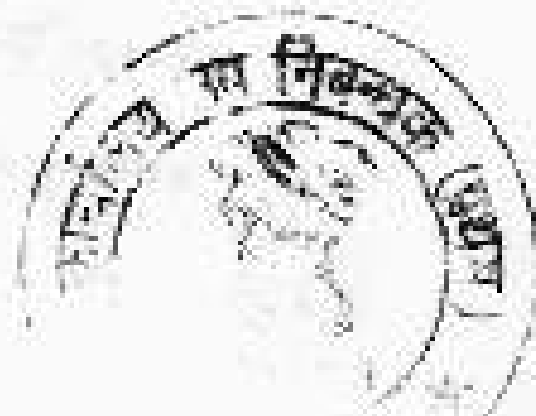
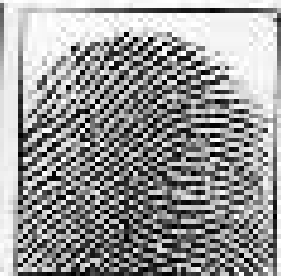


नाम पुर्णिक

वर्ग-कक्षा

संस्कृत-अवकाश

कक्षा



रजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की धारा 32-ए के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिन्टर्स

प्रस्तुतकर्ता/विश्लेषक का नाम व पता :- अमित कुमार सिंह निवासी काशी

बायें हाथ के अंगुलिपों के चिन्ह :- दायाँ निशान 3, 4, 5, 2, 1 क्रम में



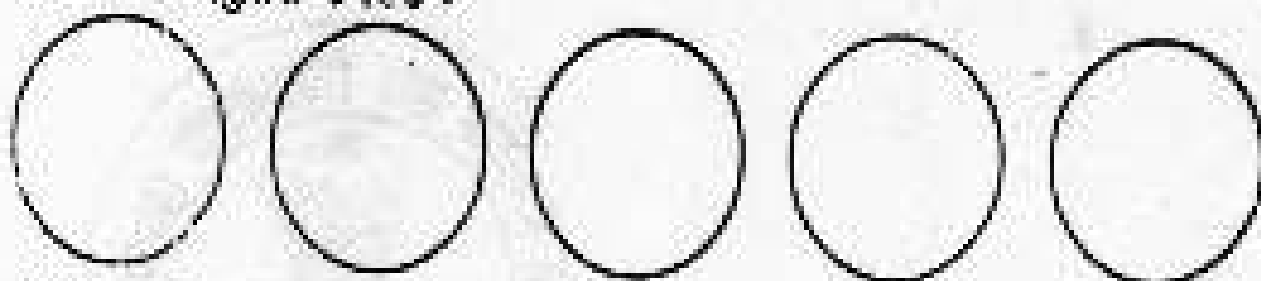
दाहिने हाथ के अंगुलिपों के चिन्ह :-



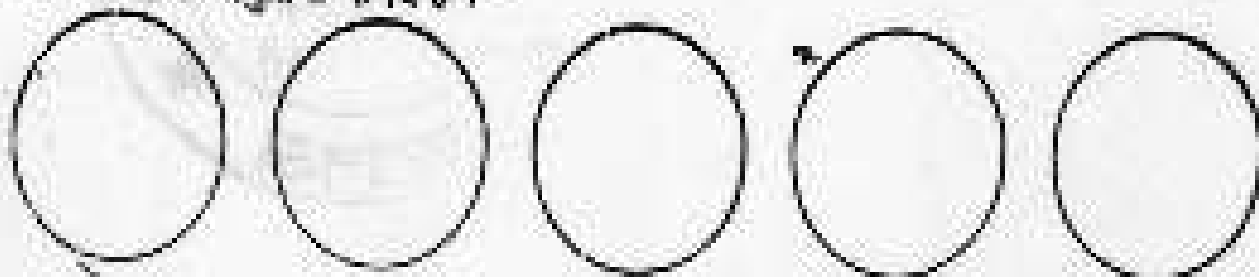
प्रस्तुतकर्ता/विश्लेषक/पता के हस्ताक्षर

विश्लेषक/पता का नाम व पता :-

बायें हाथ के अंगुलिपों के चिन्ह :-



दाहिने हाथ के अंगुलिपों के चिन्ह :-



विश्लेषक/पता के हस्ताक्षर

